उत्पत्ति ३५

- याकूब शकेम से बेत-एल जाता है।
- वह स्थान जहाँ उसने स्वर्ग की सीढ़ी पर दूतों को देखा था।
- शकेम में याकूब आदेश देता है कि सभी मूर्तियों को इकट्ठा करके गाड़ दिया जाए।
- मूर्तियाँ शकेम के निवासियों से आई थी (अब इस्राएल के अधिकार में)।
- शकेम के देवताओं को चुराकर शकेम से शक्ति छीन ली गई।

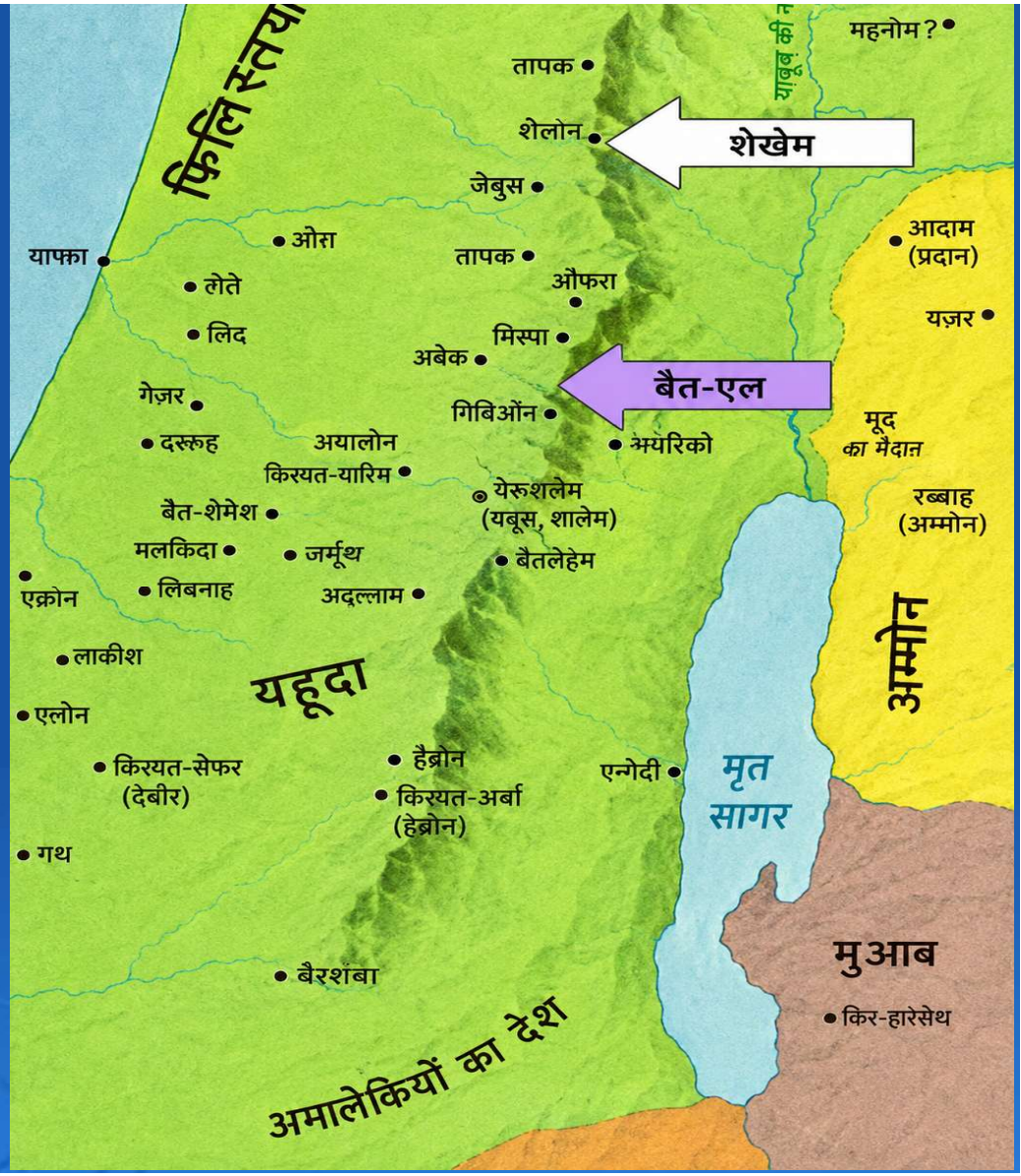

“उस परमेश्वर” के लिए वेदी बनाओ जो तुम्हें दिखाई दिया...

- इसमें अन्य देवताओं के विद्यमान होने का निहितार्थ है।
- उस युग के मनुष्य सोचते थे कि अनेक देवता हैं, और देवता क्षेत्रीय हैं।
- वर्षा का देवता, केवल एक निश्चित क्षेत्र का “वर्षा का देवता”।
- यहोवा कनान की भूमि से सम्बन्धित था।
- यह याकूब की सोच के तरीके से अच्छी तरह मेल खाता था।

देवता, देवता, और और देवता

- तोराह में, यहोवा कौन है, और वह कैसे कार्य करता है, यह इस्राएलियों के मन में अस्पष्ट था।
- वे उसे "देवताओं" के सन्दर्भ में सोचने लगते थे।
- यहोवा निर्गमन के बाद स्वयं को बेहतर परिभाषित करता है।
- उनके मन में, यहोवा उनका देवता था, एकमात्र देवता नहीं।

- पद ४, कान की बालियाँ देवताओं के ताबीज थीं।
- शुद्धिकरण का एक भाग वस्त्र बदलना (या धोना) था।
- ताबीज और मूर्तियाँ तेरेबिन्थ वृक्ष के नीचे गाड़ दी गईं।
- लूज़ बेत-एल का कनानी नाम था।

दबोरा की मृत्यु

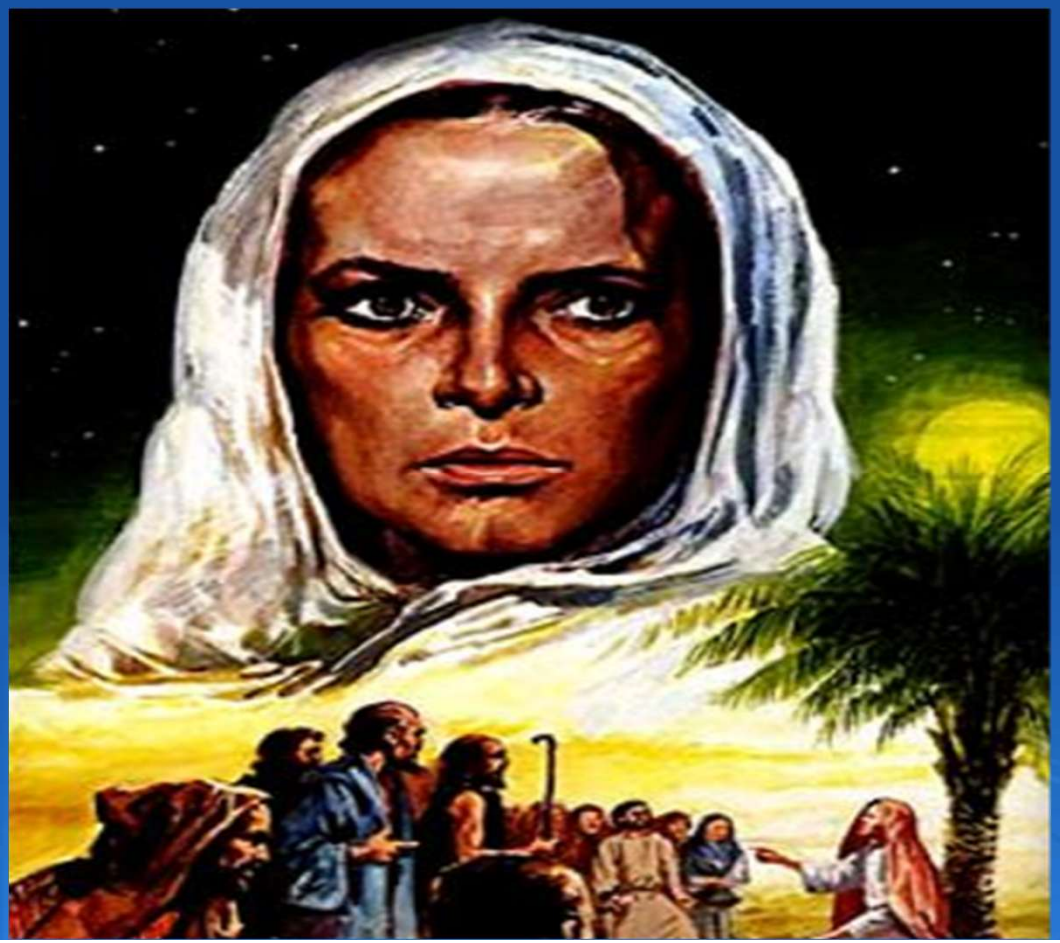

- दबोरा रिबका की धाय थी।
- रिबका और लेआ की मृत्यु तक दर्ज नहीं की गई।
- दबोरा मेसोपोटामिया और इस्राएल के बीच कड़ी थी।
- परमेश्वर चाहता था कि यह कड़ी टूट जाए।
- यह इस्राएल और मेसोपोटामिया के बीच परिवार और भूमि के सम्बन्धों की मृत्यु का रूपक है।

परमेश्वर याकूब के नए नाम और स्वभाव की पुष्टि करता है

- जब यहोवा ने पहली बार याकूब को नया नाम दिया, तब याकूब कनान के बाहर था।
- अब कनान के अन्दर वापस आकर, वह एल शद्दाई की पुष्टि चाहता था, क्योंकि यह उसका क्षेत्र था।
- याकूब विश्वास करता था कि अन्य देवता विद्यमान हैं।
- याकूब परमेश्वर के सभी सत्यों को एक साथ नहीं समझने वाला था।
- यहोवा हमारे साथ भी उसी रीति से कार्य करता है।

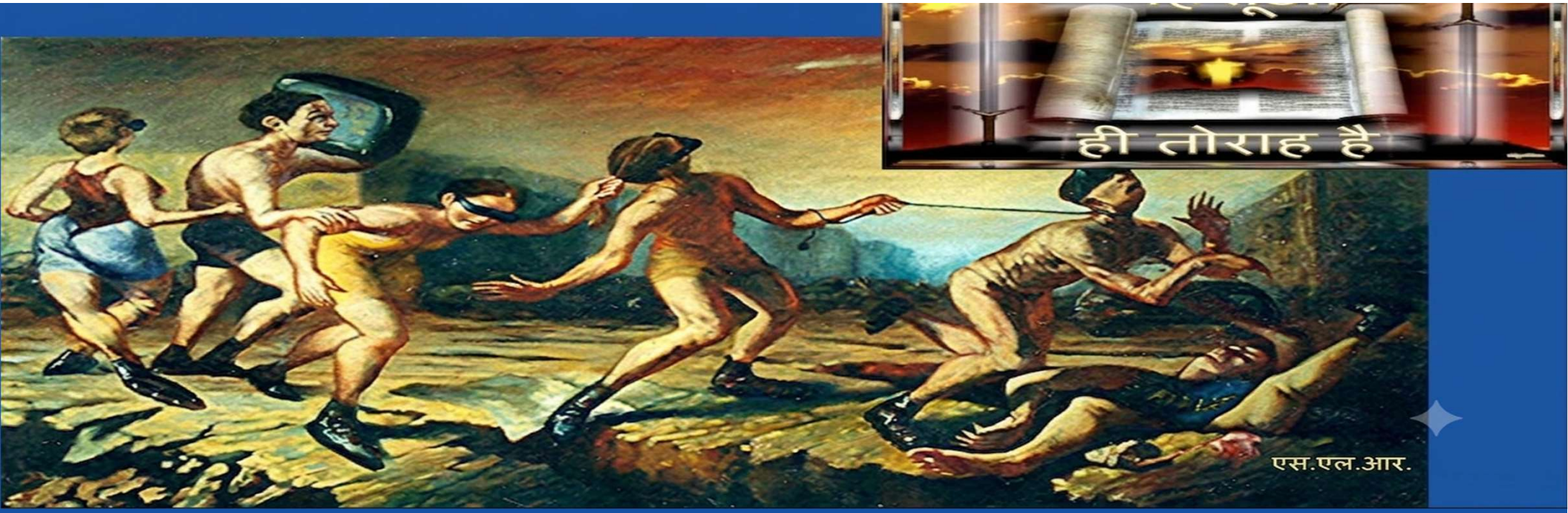

- परमेश्वर क्रमिक रूप से प्रकट करता है।
- मनुष्य किसी प्रकार से कुछ महान शास्त्रीय सत्यों के प्रति अंधे होते हैं, और फिर अचानक वे उसे देख लेते हैं!
- भविष्यवाणी अक्सर शाब्दिक और प्रतीकात्मक दोनों होती है।
- आगे देखते हुए, विवरण धुँधले हो सकते हैं।
- जैसे-जैसे हम पूर्ति के समय के निकट आते हैं, वह और स्पष्ट होता जाता है।

- स्त्री का वंश सर्प के सिर को कुचल देगा।
- आदम और हव्वा को इसका अर्थ बिल्कुल पता नहीं था!
- प्रत्येक पीढ़ी ने और अधिक जानकारी जोड़ी।
- अधिकांश भविष्यवाणियाँ पूरी हो चुकी हैं, परन्तु कुछ अभी आने वाली हैं।

प्रगतिशील प्रकाशन

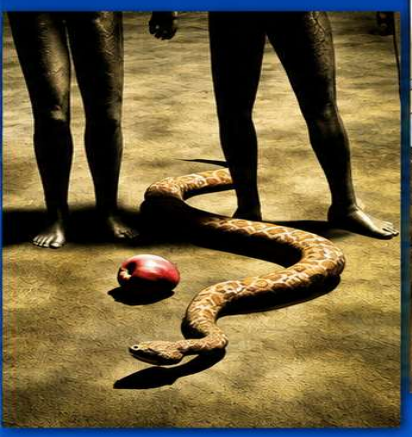

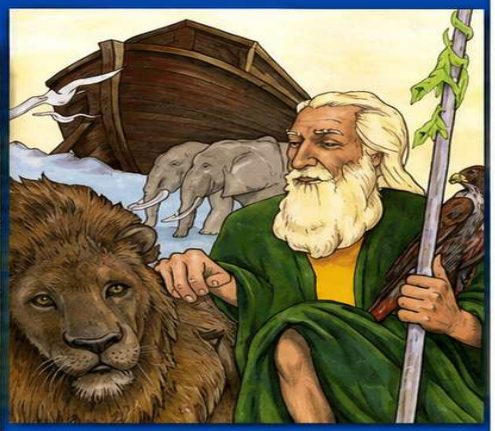

पद ११: "...एक जाति, वास्तव में जातियों की मण्डली..."

- इसका अर्थ है: एक जाति, और उसके साथ जातियों की मण्डली।
- अब्राहम "गोय" का पिता।
- याकूब "क़हल अम्मीम" का पिता।
- समय बीत चुका है और बातें विकसित हो गई हैं।
- याकूब "गोय" की एक पवित्र सभा उत्पन्न करेगा।
- पद ११ का भावानुवाद: "एक जाति, और इसके अतिरिक्त इब्रानी तथा गैर-इब्रानी दोनों जातियों (लोगों) की एक पवित्र सभा तुझ से निकलेगी..."

- याकूब पहला था जिसने केवल इब्रानी सन्तान उत्पन्न की।
- अब्राहम ने इब्रानी और अन्यजातियों को उत्पन्न किया।
- इसहाक ने इब्रानी और अन्यजातियों को उत्पन्न किया।
- याकूब दो मिस्री बच्चों को गोद लेता है, और अब उसके पास कुछ अन्यजाति "पुत्र" हैं।
- एफ्रेम अश्शूरियों में बिखरा हुआ है, और बहुत से अपनी वंशावली को अन्यजातियों से मिलाते हैं (यद्यपि कुछ इस्राएली ही रह जाते हैं)।
- एफ्रेम और यहूदा पुनः एक होंगे.....कैसे?
- यह अभी आरम्भ ही हुआ है!

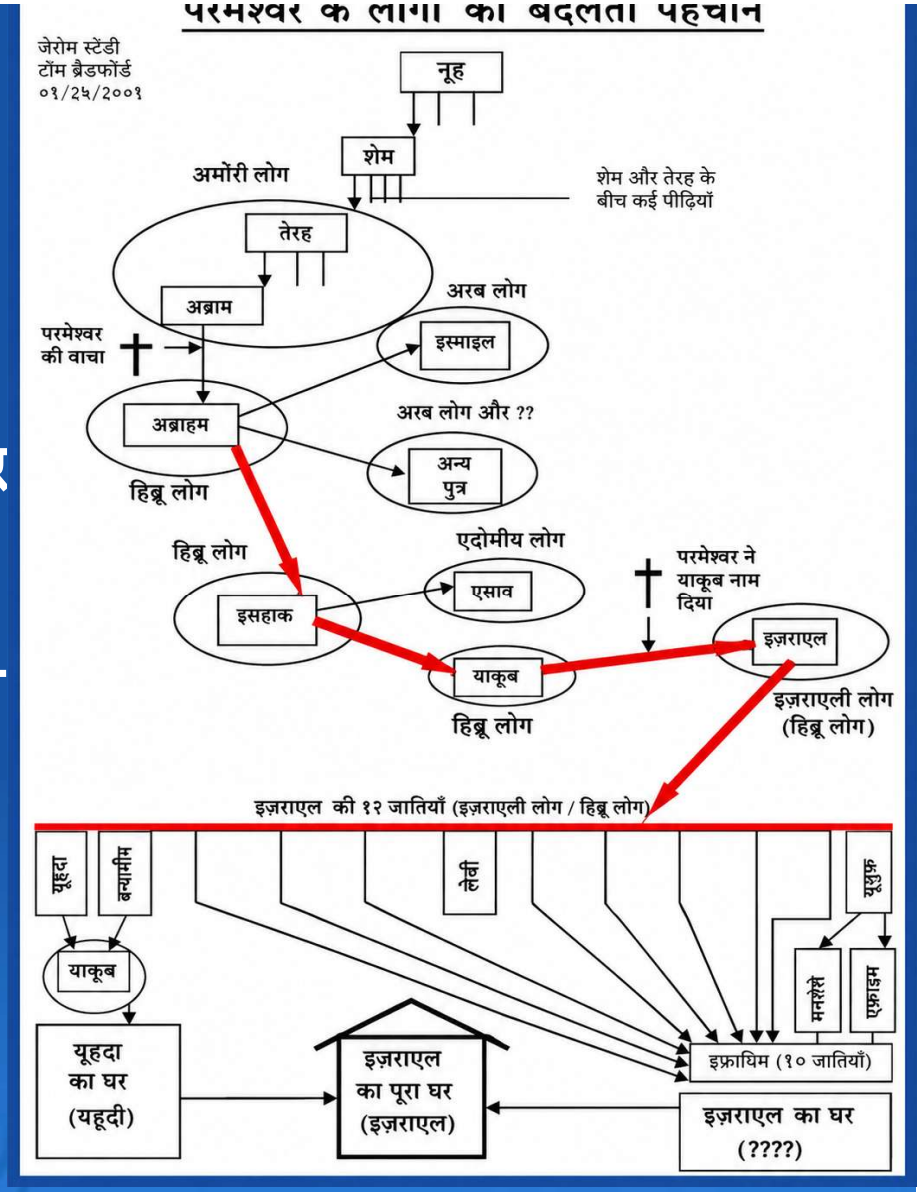

यहेजकेल ३७: पवित्र सभा

- एक चरवाहा, एक राजा, दाऊद की वंशावली से।
- सभी विवरण जानने के लिए बहुत अस्पष्ट।
- २००५ में, इस्राएली सरकार ने इस वास्तविकता को स्वीकार किया कि ऐसे इस्राएली अभी भी विद्यमान हैं जो यहूदी नहीं हैं।
- उन्हें आधिकारिक रूप से इस्राएल लौटकर यहूदा से जुड़ने की अनुमति दी गई है!
- ये इस्राएली एफ्रेम की बटुकों से हैं।

एफरत जिसे बाद में बेत-लेहेम कहा गया

राचेल की मृत्यु बिन्यामीन को जन्म देने के बाद हुई

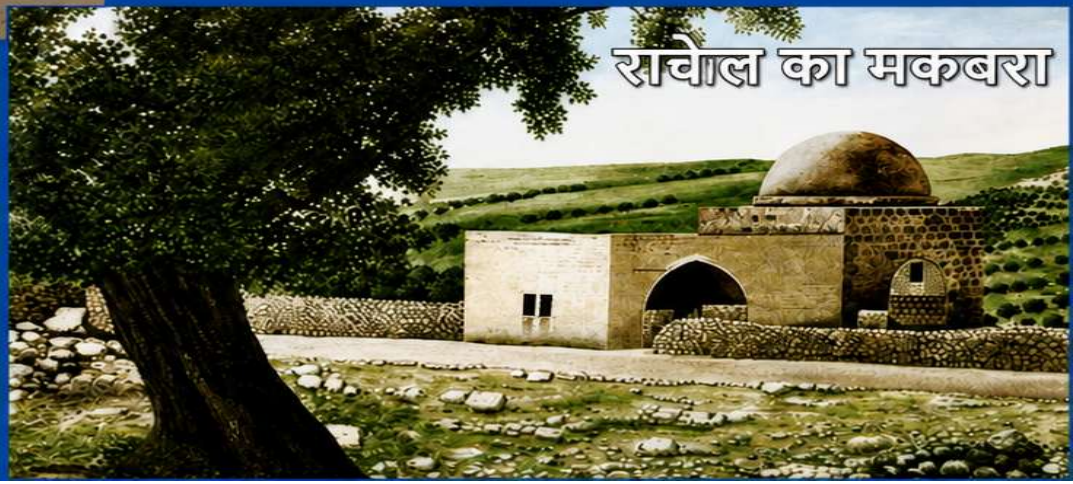

रूबेन बिलहा को ले लेता है

- यह घटना इफ्रात (बेत-लहेम) के निकट घटित होती है।
- बिलहा राहेल की दासी थी।
- बिलहा ने दान और नफ्ताली को जन्म दिया।
- रूबेन लेआ का पुत्र था (मन्दराक वाले प्रसंग में)।
- रूबेन डरता था कि राहेल की मृत्यु के बाद उसकी माता (लेआ) अब याकूब की प्रिय नहीं रहेगी।
- बिलहा रूबेन के साथ शारीरिक सम्बन्ध होने के कारण "नष्ट" हो गई थी।
- इसलिए, याकूब बिलहा की स्थिति को उपपत्नी से कानूनी पत्नी तक नहीं उठा सका।

“...और इस्राएल को पता चल गया...”

- यह आवश्यक था कि याकूब (इस्राएल) को पता चले, रूबेन चाहता था कि उसे पता चले।
- तलमूद: रूबेन ने कहा: “यदि मेरी माता की बहन (राहेल) मेरी माता (लेआ) की प्रतिद्वन्द्वी थी, तो क्या मेरी माता की बहन की दासी (बिल्हा) भी मेरी माता की प्रतिद्वन्द्वी होनी चाहिए?”
- जब कोई नेता गिराया जाता था, तब नया नेता पुराने नेता की उपपत्नियों को ले लेता था।
- यह सारा मामला रूबेन द्वारा याकूब के अधिकार और पद को चुनौती देने के बारे में था।
- यह रूबेन द्वारा किया गया सत्ता परिवर्तन का प्रयास था।

रूबेन अपना ज्येष्ठाधिकार खो देता है

- उत्पत्ति ४९:१ तब याकूब ने अपने पुत्रों को बुलाकर कहा, “तुम इकट्ठे हो जाओ, कि मैं तुम्हें बताऊँ कि आने वाले दिनों में तुम्हारे साथ क्या होगा। २ “हे याकूब के पुत्रों, इकट्ठे होकर सुनो; और अपने पिता इस्राएल की बात सुनो। ३ “रूबेन, तू मेरा पहिलौठा है; मेरा बल और मेरे सामर्थ्य का आरम्भ, प्रतिष्ठा में प्रधान और सामर्थ्य में प्रधान। ४ “जल के समान अनियन्त्रित, तू प्रधान न रहेगा, क्योंकि तू अपने पिता के बिस्तर पर चढ़ा; तब तूने उसे अशुद्ध किया– वह मेरे खाट पर चढ़ा।”

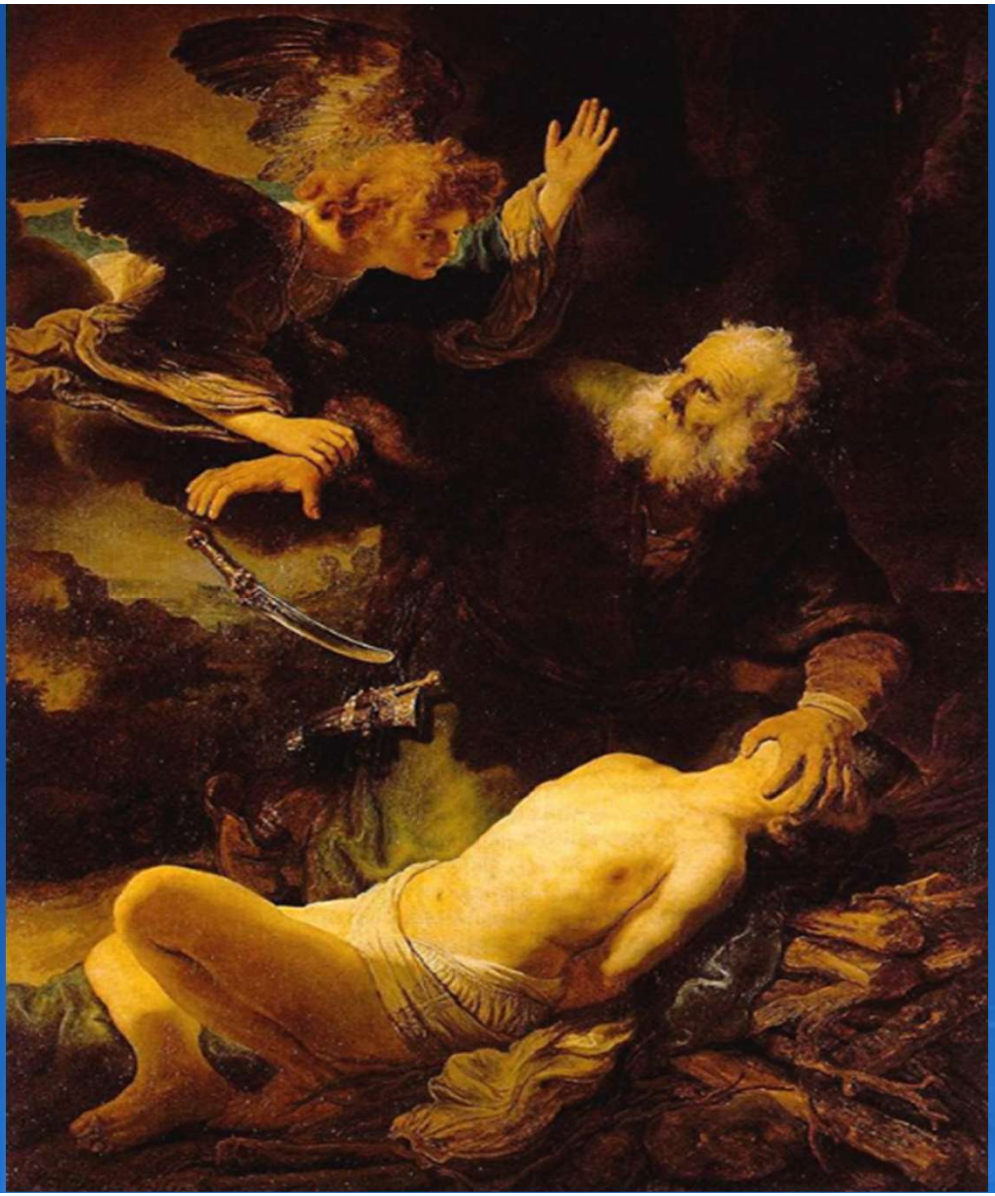

इसहाक १८० वर्ष की आयु में मरता है

- इसहाक याकूब के सभी बच्चों से मिला।
- एसाव आया और याकूब के साथ मिलकर अपने पिता इसहाक को दफनाया।
- पद २९ इसहाक “अपने लोगों के पास इकट्ठा हो गया”।
- शान्तिमय मृत्यु का कथन।
- पूर्वजों की पूजा की एक अवशेष सोच।